प्रसार भारती

आकाशवाणी केन्द्र शिमला

05.12.2025 / प्रादेशिक समाचार / 15:00बजे

प्रश्नकाल

हिमाचल प्रदेश की पूर्व भाजपा सरकार द्वारा आरंभ की गई हिमकेयर योजना का मुद्दा आज एक बार फिर विधानसभा में गूंजा और सत्तापक्ष व विपक्ष ने इस योजना को लेकर एक–दूसरे पर खूब आरोप लगाए। सदन में इस मुद्दे पर तकरार के बाद मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमकेयर हिमाचल में बहुत बड़ा घोटाला है और सरकार इसकी सीएजी से जांच करवा रही है। धर्मशाला के तपोवन में आयोजित प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन आज प्रश्नकाल के दौरान विधायक विनोद कुमार और त्रिलोक जम्वाल के संयुक्त सवाल के जवाब में दखल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमकेयर योजना जिस उद्देश्य से शुरू कि गई थी, वह उस लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाई। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत बहुत बड़ा घोटाला हुआ है और सरकार इसकी जांच करवा रही है। इसमें महालेखाकार द्वारा ऑडिट भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हिमकेयर योजना के तहत अभी तक निजी अस्पतालों का 2 सौ 11 करोड़ रुपए का भुगतान कर चुकी है, जबकि एक सौ 10 करोड़ रुपए शेष है और कुल मिलाकर हिमकेयर के तहत 2 सौ 80 करोड़ रुपए का भुगतान करने को है।

.....

प्रश्नकाल–2

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के आधुनिकीकरण के लिए 2 सौ 50 करोड़ रुपए खर्च कर रही है। इस राशि से रोबोर्ट सर्जरी, एमआरआई और पैट स्कैन जैसी आधुनिक मशीनें स्थापित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार भविष्य में आयुष्मान भारत योजना के तहत सिर्फ उतना ही इलाज रोगियों का करेगी, जितना पैसा केंद्र से आएगा। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि सरकार भविष्य में आयुष्मान योजना के तहत राज्य सरकार की ओर से अब कोई पैसा खर्च नहीं करेगी और आयुष्मान भारत योजना पर प्रदेश सरकार की ओर से खर्च की जाने वाली राशि को हिमकेयर पर खर्च किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश को आयुष्मान भारत योजना के तहत राज्य को केंद्र से सिर्फ 43 करोड़ रुपए ही मिले है, जबकि प्रदेश सरकार इस योजना पर एक सौ 10 करोड़ रुपए तक खर्च कर चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमकेयर योजना घोटालों के लिए नहीं, बल्कि गरीबों की मदद के लिए है। उन्होंने कहा कि सरकार हिमकेयर योजना में हुए घोटाले को जनता की अदालत में ले जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमकेयर योजना से किसी को भी वंचित नही रखा जाएगा। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने माना कि इस योजना के तहत भुगतान में कुछ समस्या जरूर आई है।

.....

महायज्ञ

हिमाचल की समृद्ध और प्राचीन देव संस्कृति को एक बार फिर जीवंत करती ऐतिहासिक शुरुआत आज शिमला जिला की जुब्बल तहसील के झड़ग गांव में हुई। 54 साल के लंबे अंतराल के बाद तीन दिवसीय शांत महायज्ञ का शुभारंभ पारंपरिक विधि–विधान के साथ किया गया। महायज्ञ की शुरुआत गांव में नागेश्वर जी महाराज के मंदिर में पूजा–अर्चना के साथ हुई। इस धार्मिक अनुष्ठान में लोग बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं। झड़ग गांव पहुंचने पर देवताओं के देवलुओं का स्थानीय लोगों ने परंपरागत ढंग से भव्य स्वागत किया। नागेश्वर देवता के कारदार व अन्य लोगों ने बताया कि 54 साल बाद यह महायज्ञ बड़ी धूमधाम, मान–सम्मान और आस्था के साथ आयोजित किया जा रहा है और इससे इलाके में सुख समृद्धि बनी रहती है।

.....

सतलुज नदी

शिमला के सुनी क्षेत्र में सतलुज नदी में बढ़ते जलस्तर और गाद के मामले को लेकर उपायुक्त अनुपम कश्यप ने एक महत्वपूर्ण बैठक की। उन्होंने कहा कि सुनी क्षेत्र में कोलडैम प्रबंधन की ओर से सिल्ट के ऊपर सोनार सर्वेक्षण करवाया जा रहा है जो 15 दिसम्बर से शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अगले 15 से 20 दिनों में सर्वेक्षण कार्य पूरा होगा, जिसके आधार पर सुनी क्षेत्र में भविष्य के लिए रणनीति बनाई जाएगी।

.....